महात्मा गान्धी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट

संस्कृत विभाग

डिप्लोमा इन् कर्मकाण्ड

Programme obejactive

1. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को भारत की सनातन परम्परा में प्रचलित विभिन्न आनुष्ठानिक कर्मो से परिचित कराना है।
2. इस पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात् छात्र भारतीय सनातन परम्परा में प्रचलित विभिन्न संस्कारों व पूजा पद्धतियों का अधिकृत विशेषज्ञ हो सकेगा।
3. इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् छात्र नित्य सम्पादित होने वाले तथा विवाह आदि सामयिक पूजा पद्धतियों का ज्ञान आर्जित कर लेगा।

Programme Outcomes

1. सामाजिक उन्नति के लिए अनुष्ठानो के प्रयोग का ज्ञान
2. ग्रह शान्ति, विवाह कर्म तथा विभिन्न संस्कारों को सम्पन्न कराने में निपुणता
3. विभिन्न स्तोत्र तथा पूजन पद्धतियों के ज्ञान में निपुणता

महात्मा गान्धी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट

संस्कृत विभाग

डिप्लोमा इन् कर्मकाण्ड

प्रथम प्रश्न पत्र- प्रारम्भिक पूजन एवं स्तुति

Course obejactive

1. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रारम्भिकपूजनज्ञान के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है।
2. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रारम्भिकपूजनज्ञान के लिए संकल्प गणेशपूजन नान्दीश्राद्ध आदि विषयों से परिचित कराना है।

Course outcomes

1. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी प्रारम्भिकपूजनज्ञान मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे।
2. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी प्रारम्भिकपूजनज्ञान के लिए संकल्प गणेशपूजन नान्दीश्राद्ध आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।

द्वितीय प्रश्न पत्र- संस्कारकर्म एवं शान्तिविधि

Course obejactive

1. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कर सामाजिक उन्नति के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है।
2. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कर सामाजिक उन्नति तथा ग्रहशान्तिकर्म के विषयों से परिचित कराना है।

Course outcomes

1. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी संस्कर सामाजिक उन्नति के मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे।
2. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी संस्कर सामाजिक उन्नति तथा ग्रहशान्तिकर्म के विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।

तृतीय प्रश्न पत्र- उत्तरक्रिया एवं श्राद्धविधि

Course obejactive

1. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पितृऋण से मुक्ति के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है।
2. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पितृऋण से मुक्ति, तथा श्राद्ध भारतीयसंस्कृति का एक अभिन्न अंग है– इन विषयों से परिचित कराना है।

Course outcomes

1. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी पितृऋण से मुक्ति सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे।
2. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी को पितृऋण से मुक्ति, तथा श्राद्ध भारतीयसंस्कृति का एक अभिन्न अंग है– इन विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।

डिप्लोमा अध्ययनक्रम (W.E.F 2020-21)

कक्षा	डिप्लोमा इन कर्मकाण्ड	समयावधि	१ वर्षम्
प्रश्नपत्रम्-१	प्रारम्भिकपूजन एवं स्तुति	गुणा:	५०
विषय कोड	६२ (DiK)	पेपर कोड	६५१
यूनिट	०३	क्रेडिट	०३

यूनिट१-	गुणा:	घण्टा	क्रेडिट
प्रारम्भिकपूजन	२५	१६	१
१ – संकल्प			
२- गणेशपूजन			
३ – मातृपूजन			
४- नान्दीश्राद्ध			
५- पुण्याहवाचन			
यूनिट-२	**गुणा:**	**घण्टा**	**क्रेडिट**
स्तुति	३०	१३	१
१. अन्नपूर्णास्तुति			
२.शिवमहिम्नस्तोत्र			
३.गणेश-अथर्वशीर्ष			
४. श्रीसूक्त एवं पुरुषसूक्त			
यूनिट-३	**गुणा:**	**घण्टा**	**क्रेडिट**
नित्यकर्म	२५	१६	१
१-सन्ध्यावन्दन			
२- ब्रह्मयज्ञ			
३- तर्पण			

हेतु: – कर्मकाण्डसम्पादन के लिए स्तोत्रज्ञान नितान्त अपेक्षित है। पुनः प्रारम्भिकपूजनज्ञान के लिए संकल्प गणेशपूजन मातृपूजन नान्दीश्राद्ध इत्यादि का ज्ञान होना चाहिए। शरीर शुद्धि के लिए नित्यकर्म का ज्ञान अति आवश्यक है।

संदर्भग्रन्थ - ब्रह्मनित्यकर्मसमुच्चय, वास्तुशान्तिप्रदीप, पौराणिककर्मदर्पण

कक्षा	डिप्लोमा इन कर्मकाण्ड	समयावधिः	१ वर्षम्
प्रश्नपत्रम्-२	संस्कारपद्धतं एवं शान्तिविधि	गुणाः	७०
विषय कोड	६४ (DiK)	पेपर कोड	६०२
युनिट	०३	क्रेडिट	०३

युनिट१-	गुणाः	घण्टा	क्रेडिट
संस्कार	२५	१६	१
गर्भाधान-पुंसवन-सीमन्तोन्नयन-जातकर्म-नामकरण -निष्क्रमण-अन्नप्राशन-चौलसंस्कार-कर्णवेध			
युनिट-२	**गुणाः**	**घण्टा**	**क्रेडिट**
संस्कार	२०	१३	१
उपनयन-वेदारम्भ- केशान्त-समावर्तन-विवाह संस्कार वानप्रस्थ - सन्यास - अन्त्येष्टि			
युनिट-३	**गुणाः**	**घण्टा**	**क्रेडिट**
शान्ति	२५	१६	१
नवग्रह शान्ति ।			

हेतु – उत्तमसमाजनिर्माण के लिए संस्कारों की महत्त्वपूर्णभूमिका है । संस्कार सामाजिक उन्नति के लिए सुसंस्कारित बालक एवं बालिका का निर्माण करता है । ग्रहशान्ति कर्म करवाने से जातक का कष्ट कम हो सकता है ।

सन्दर्भग्रन्थ :

संस्कारभास्कर, संस्कारदीपक, ब्रह्मनित्यकर्मसमुच्चय,
शान्तिमयूख, [illegible] कर्मदर्पण, ग्रहशान्तिविधान

Dean
FACULTY OF [illegible]

कक्षा	डिप्लोमा इन कर्मकाण्ड	समयावधिः	१ वर्षम्
प्रश्नपत्रम्-३	उत्तरक्रिया एवं श्राद्धविधि	गुणाः	७०
विषय कोड	६५ (DiK)	पेपर कोड	६५३
यूनिट	०३	क्रेडिट	०३

यूनिट१-	गुणाः	घण्टा	क्रेडिट
श्राद्धप्रकार	२५	१६	१
दशाहविधि सपिण्डीकरण एकादशाहविधि द्वादशाहविधि			
यूनिट-२	**गुणाः**	**घण्टा**	**क्रेडिट**
सांवत्सरिकादि श्राद्धविधि	२०	१३	१
१.सांवत्सरिक श्राद्धविधि २.महालया श्राद्धविधि ३.पार्वण श्राद्धविधि ४.तीर्थश्राद्ध			
यूनिट-३	**गुणाः**	**घण्टा**	**क्रेडिट**
बलिप्रकार (पूजा)	२५	१६	१
१.काकबलि २.भूतबलि ३.नागबलि ४.प्रेतबलि ५.नारायणबलि			

हेतुः – श्रद्धा से श्राद्ध। पितृगण में तृप्तिप्राप्ति के लिए श्राद्धों की आवश्यकता है। 'श्राद्धं न कुर्वते यः तस्य रक्तं पिबन्ति वै' इस वचन के अनुसार स्पष्ट है कि श्राद्ध भारतीयसंस्कृति का एक अभिन्न अङ्ग है।

सन्दर्भग्रन्थ- श्राद्धप्रकाश-१, श्राद्धप्रकाश-२, श्राद्धमंजरी, श्राद्धमयूख, श्राद्धविवेक